समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

Fitch ने भारत का क्रेडिट रेटिंग 'BBB-' बरकरार रखा, मजबूत आर्थिक वृद्धि और स्थिरता बनी आधार

Publisher

Published on 25 Aug 2025

वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी **Fitch Ratings** ने भारत की दीर्घकालीन विदेशी मुद्रा में कर्ज चुकाने की क्षमता (Long-Term Foreign-Currency Issuer Default Rating – IDR) को '**BBB-**' रेटिंग और '**Stable Outlook**' के साथ बरकरार रखा है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक दबाव और अमेरिका की ओर से संभावित व्यापारिक टैरिफ लगाए जाने की आशंका के बीच कई देशों की अर्थव्यवस्था अस्थिर दिखाई दे रही है।

भारत के लिए यह रेटिंग संकेत देती है कि देश की **अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत** है और इसकी वित्तीय स्थिति अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर है।

भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि का प्रभाव

Fitch ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत की **वास्तविक GDP ग्रोथ दर FY2026 मे 6.5%** रहने का अनुमान है। यह दर Fitch द्वारा रेटिंग की गई समान श्रेणी (BBB कैटेगरी) वाले देशों की औसत वृद्धि दर (लगभग 2.5%) से कहीं अधिक है।

एजेंसी का कहना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि का मुख्य आधार है:

- घरेलू मांग में मजबूती
- उपभोक्ता खर्च का लगातार बढ़ना
- सरकारी पूंजीगत व्यय (Capex) पर जोर
- उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाएँ (PLI Scheme)

- डिजिटलाइजेशन और वित्तीय समावेशन में तेजी

अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक चुनौतियाँ

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अमेरिका द्वारा आयातित भारतीय सामानों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की स्थिति में भारत की अर्थव्यवस्था पर **मध्यम स्तर का जोखिम** पड़ सकता है। हालांकि Fitch का मानना है कि भारत की विविधीकृत आर्थिक संरचना और मजबूत घरेलू बाजार इन जोखिमों को संतुलित करने में सक्षम हैं।

राजकोषीय घाटा और चुनौतियाँ

भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) को **5.1%** तक सीमित करने का लक्ष्य रखा है। Fitch का मानना है कि राजस्व संग्रह और कर सुधारों से सरकार को इस लक्ष्य तक पहुँचने में मदद मिलेगी।

फिर भी कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं:

- सार्वजनिक ऋण का उच्च स्तर (GDP का लगभग 83%)
- कृषि क्षेत्र में अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन का असर
- बाहरी व्यापार घाटा

विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिरता

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग **650 बिलियन डॉलर** के स्तर पर है, जिसने रुपये की स्थिरता बनाए रखने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का विश्वास मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

Fitch ने इसे भारत की वित्तीय स्थिरता का मजबूत संकेतक बताया।

निवेशकों के लिए संकेत

'BBB-' रेटिंग का अर्थ है कि भारत **निवेश योग्य (Investment Grade)** देशों की सूची में बना हुआ है। इसका फायदा यह है कि विदेशी निवेशक भारत में निवेश को लेकर ज्यादा भरोसा महसूस करेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस रेटिंग से भारत में:

- **FDI (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश)** आकर्षित होगा
- बॉन्ड मार्केट को स्थिरता मिलेगी
- रुपये में स्थिरता बनी रहेगी
- इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी सेक्टर में निवेश बढ़ेगा

सरकार और उद्योग की प्रतिक्रिया

भारतीय वित्त मंत्रालय ने Fitch के इस फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह भारत की आर्थिक नीतियों, सुधारों और स्थिरता की वैश्विक मान्यता है।

उद्योग जगत ने भी इस रिपोर्ट को सकारात्मक माना। CII और FICCI जैसे उद्योग संघों ने कहा कि यह रेटिंग भारत के **निवेश माहौल को और मजबूत करेगी**।

Fitch का भारत की रेटिंग 'BBB-' बनाए रखना यह स्पष्ट करता है कि **भारतीय अर्थव्यवस्था कठिन परिस्थितियों मे भी मजबूती से खड़ी है**। मजबूत घरेलू मांग, स्थिर विदेशी मुद्रा भंडार और संरचनात्मक सुधारों के चलते भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

भविष्य की चुनौतियाँ भले ही मौजूद हों—जैसे राजकोषीय घाटा और बाहरी व्यापार दबाव—लेकिन Fitch की रिपोर्ट यह विश्वास दिलाती है कि भारत आने वाले वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी वृद्धि की गति बनाए रखेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.